बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

सितमगर से उपदेशक

लेखक: Edward Hughes

व्याख्याकार: Janie Forest

रूपान्तरकार: Ruth Klassen

अनुवाद: Suresh Kumar Masih

प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

©2014 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

परमेश्वर अपनी
शुरुआती कलीसिया
में लोगों के द्वारा बड़े
बड़े काम किया।
फिलिप्पुस
नामक एक आदमी
भीड़भाड़ वाले शहर में
लोगों को यीशु के बारे में बताने
में व्यस्त था। परन्तु परमेश्वर ने
उसे रेगिस्तान में भेजा, क्यों?

परमेश्वर जानता था की रेगिस्तान में एक यात्री है, जो इथियोपिया की रानी कैंडेस का एक शासक है। वह अपने घर के रास्ते एक विशेष किताब पढ़ते हुवे जा रहा था। कौन सी किताब थी, क्या आप अनुमान लगा सकते हैं?

फिलिप्पुस
ने परमेश्वर
की आज्ञा
मानी; परमेश्वर
उसे सीधे उस शासक
के पास ले गया जो बिना
समझे पुस्तक को पढ़ रहा था।
वह फिलिप्पुस को अपने साथ
आने के लिए आमंत्रित किया।

"इसका क्या मतलब है?" शासक ने फिलिप्पुस से पूछा। जैसे ही रथ रेगिस्तान की सड़क पर झटका देकर आगे बढ़ा, फिलिप्पुस अपना मुंह खोलकर धर्मशास्त्र से यीशु के बारे में प्रचार किया।

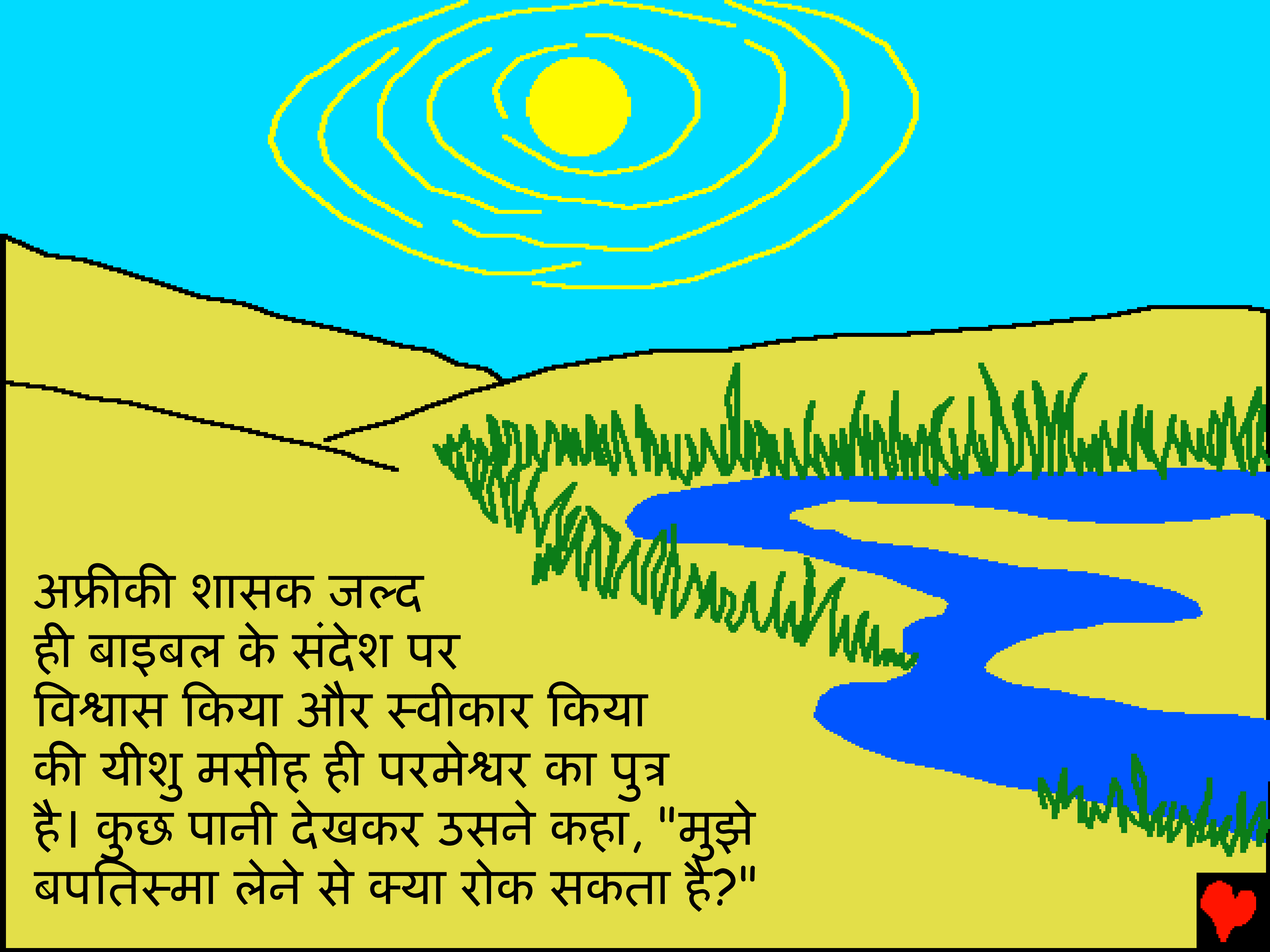

अफ्रीकी शासक जल्द
ही बाइबल के संदेश पर
विश्वास किया और स्वीकार किया
की यीशु मसीह ही परमेश्वर का पुत्र
है। कुछ पानी देखकर उसने कहा, "मुझे
बपतिस्मा लेने से क्या रोक सकता है?"

फिलिप्पुस ने कहा, "यदि तुम अपने सारे मन से विश्वास करते हो, तो ले सकते हो।" शासक के जवाब दिया, "मै जानता हूँ और बिश्वास करता हूँ की यीशु मसीह ही परमेश्वर का पुत्र है।" फिलिप्पुस उसे पानी के पास ले गया और उसे बपतिस्मा दिया।

वे जब पानी से बाहर आये, प्रभु का आत्मा, फिलिप्पुस को दूर ले गया। इसलिए अफ्रीकी शासक ने उसे ज्यादा देर तक देख न सका। वह आनन्द के साथ इथियोपिया लौट आया!

लेकिन कुछ लोग मसीहियों से नफरत करते थे। स्तिफनुस, फिलिप्पुस के दोस्तों में से एक, को क्रोधित लोगों ने जान से मार डाला था, क्योंकि वह यीशु के बारे में बातें करता था। तरसुस का शाऊल नामक एक व्यक्ति स्तिफनुस को मारने में मदद की थी। शाऊल, सभी मसीही से नफरत करता था।

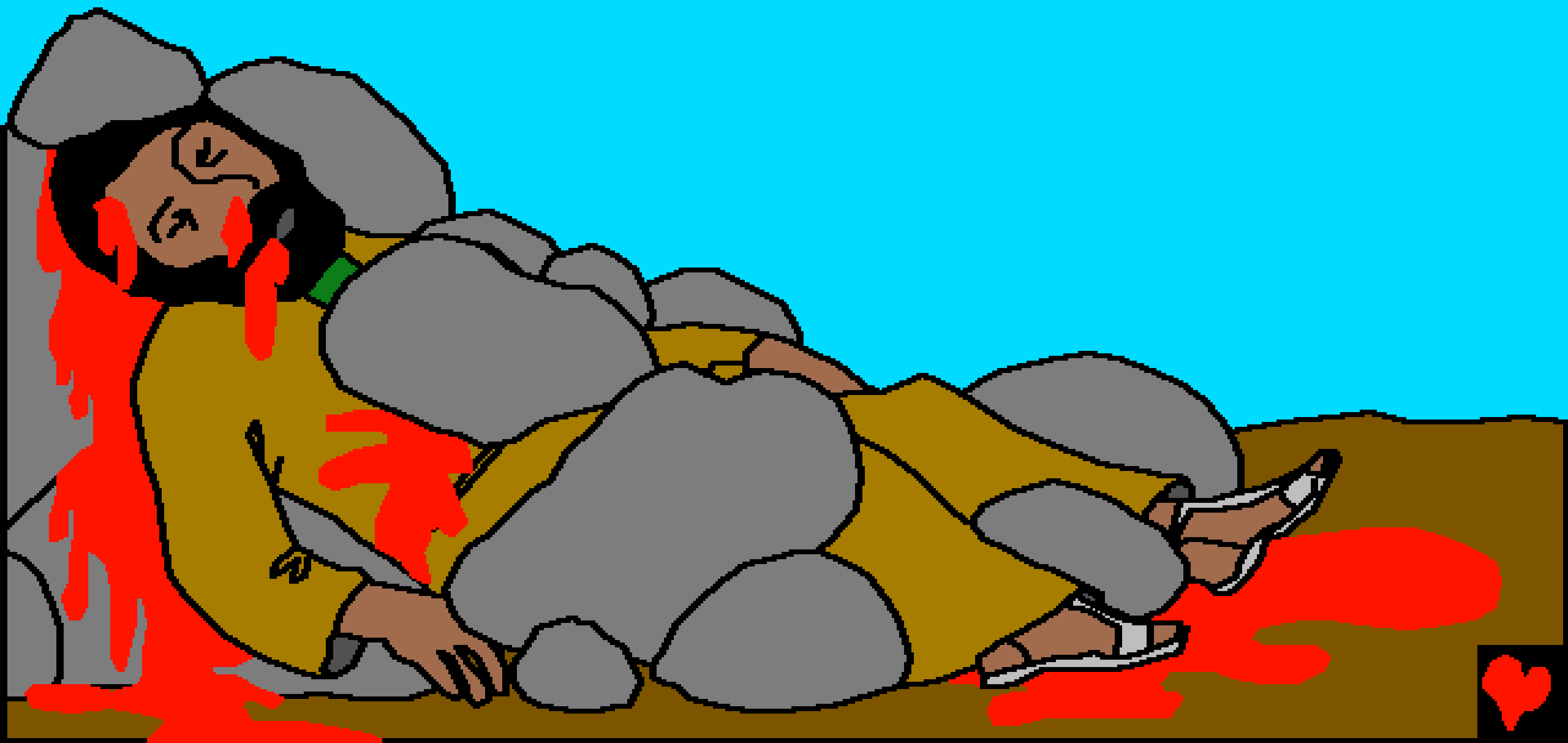

शाऊल की मसीहियों के खिलाफ धमकी और हत्या, की खबर महायाजक के पास तक गयी और उसे पुरुषों या महिलाओं को जो यीशु के अनुयायी थे, गिरफ्तार करने का अधिकार पत्र मिला।

तरसुस का बेचारा शाऊल! यह नहीं जनता था की जब वह परमेश्वर के लोगों को चोट पहुँचता है तो, वास्तव में वह प्रभु यीशु को दर्द देता है। परमेश्वर को शाऊल को रोकना था। लेकिन कैसे?

परमेश्वर ने शाऊल को "नियंत्रित कर लिया"! जब शाऊल दमिश्क के शहर के रास्ते पर था, परमेश्वर ने स्वर्ग से एक महान प्रकाश की किरणो को भेजा। शाऊल जमीन पर गिर गया। फिर उसने एक आवाज सुनी।

"प्रभु, आप कौन हैं?" शाऊल चिल्लाया "मैं यीशु हूँ, जिसको तू सताता है।" कांपते हुवे और चकित, शाऊल ने कहा, "हे प्रभु, आप मुझसे क्या चाहते हैं?" और तब प्रभु ने कहा, "उठ और शहर में जा, तुम्हे वहीं बताया जायेगा की क्या करना है।"

शाऊल के साथ पुरुषों
ने भी आवाज सुनी,
लेकिन उन्हें कुछ
दिखाई नहीं दिया।
शाऊल जमीन पर
से उठा - और अपने
आप को अंधा पाया!
वे उसे दमिश्क
में ले गये।

उस शहर में शाऊल तीन दिन
तक दृष्टिहीन था, और नहीं कुछ
खाया और न पीया। शायद वह
प्रभु यीशु से प्रार्थना में समय
बिता रहा था जो दमिश्क
के मार्ग पर उससे
मिला था।

परमेश्वर के पास सब कुछ की योजना है। दमिश्क में हनन्याह नाम का एक शिष्य था। प्रभु ने उसे शाऊल की मदद करने के लिए भेजा। हनन्याह डर गया था। लेकिन उसने परमेश्वर की बात मानी। जब वह शाऊल पर हाथ रखा, तब अंधापन जाता रहा - और शाऊल परमेश्वर की पवित्र आत्मा से भर गया।

शाऊल को बपतिस्मा दिया गया। फिर वह खाया। जब उसने भोजन ग्रहण किया तब बल प्राप्त किया। शाऊल को शक्ति की जरूरत थी। उसे बहुत महत्वपूर्ण काम करना था।

तुरंत शाऊल ने, सभाओं में मसीह का प्रचार किया कि प्रभु यीशु परमेश्वर का पुत्र है। जितनों ने सुना वे सब चकित थे, और कहा, "क्या यह वह नहीं है जो मसीहियों को नष्ट कर रहा था?" और कुछ ने तो शाऊल को मारने की साजिश भी रची।

शाऊल के नए दुश्मन शाऊल को मारने के लिए शहर के फाटकों पर थे, कि वह शहर छोड़ कर भागने की कोशिस न करे। लेकिन उसके नए दोस्त, मसीहियों, ने रात में उसे एक बड़ी टोकरी में रखकर दीवार से बाहर उसे नीचे उतार दिया।

और तब से, शाऊल
मसीहियों पर जुल्म
करने वाला अपने नए
स्वामी, प्रभु यीशु
मसीह का एक वफादार
अनुयायी के रूप में
जीवन जीने लगा।

सितमगर से उपदेशक

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

प्रेरितों के काम 8-9

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16